

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर : समग्र विकास के अवसरों की भूमि : कुलपति

पंतनगर। 5 मई 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के कुलपति प्रोफेसर शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने गांधी हॉल सभागार में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए पंतनगर को 'अवसरों की भूमि' बताया। उन्होंने छात्रों को अपनी चार वर्षीय स्नातक यात्रा का अधिकतम लाभ उठाने और इसे केवल पढ़ाई तक सीमित न रखकर समग्र विकास के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया।

अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि पंतनगर केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, कौशल वृद्धि और व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे इन चार वर्षों को पूरी तरह जीएं, नई संभावनाओं का अन्वेषण करें और अपनी सीमाओं को चुनौती दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जितना अधिक प्रयास किया जाएगा, उतनी ही अधिक सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने एक मजबूत प्रोफाइल बनाने के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों को अपना स्वयं का सीखने का एजेंडा तैयार करने और निरंतर प्रेरित रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि विविध और जीवंत परिसर का वातावरण नई संस्कृतियों को समझने, नए विचार विकसित करने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करता है।

कुलपति ने छात्रावास जीवन और सहकर्मी समूह (पीयर ग्रुप) के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक सकारात्मक और सक्रिय समूह व्यक्ति की सोच और विकास को दिशा देता है। सहयोगात्मक वातावरण में विचारों का आदान-प्रदान छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। अंतर्विषयक अनुभव को बढ़ावा देते हुए उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने-अपने महाविद्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि विश्वविद्यालय के अन्य विभागों, प्रयोगशालाओं और अनुसंधान केंद्रों का भी लाभ उठाएं। उन्होंने जिज्ञासा को नवाचार की कुंजी बताते हुए परियोजना कार्य को शैक्षणिक एवं व्यावहारिक शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने विशेष रूप से छात्रों को दूसरे और तीसरे वर्ष के दौरान कम से कम दो से तीन परियोजनाओं में भाग लेने की सलाह दी। उनके अनुसार, परियोजना-आधारित शिक्षा से न केवल बायोडाटा मजबूत होता है, बल्कि व्यावहारिक कौशल विकसित होते हैं और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। समग्र विकास पर बल देते हुए कुलपति ने छात्रों से खेलकूद, शारीरिक फिटनेस, सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां व्यक्तित्व को निखारती हैं और उच्च शिक्षा, विशेषकर अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश के लिए भी महत्वपूर्ण होती हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय में स्टेडियम, फिटनेस सेंटर, सांस्कृतिक समितियां और सुसज्जित छात्रावास जैसी उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिन्हें लगातार और बेहतर बनाया जा रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय स्वयं में एक बड़ा अवसर है और इन चार वर्षों का सदुपयोग एक सफल भविष्य की मजबूत नींव रख सकता है। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, तथा विभिन्न छात्रावासों के वार्डन एवं सहायक वार्डन भी उपस्थित रहे।



फ्रांस से लौटे डीएफिया के 20 छात्रों ने कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की अंतरराष्ट्रीय इंटरनशिप रिपोर्ट

पंतनगर। 5 मई 2026। डीएफिया के 20 छात्र-छात्राओं, जिन्होंने हाल ही में फ्रांस में अंतरराष्ट्रीय इंटरनशिप पूर्ण की, ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस.के. कश्यप के समक्ष अपने अनुभवों और सीख को विस्तार से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने फ्रांस में प्राप्त उन्नत कृषि तकनीकों, खाद्य प्रसंस्करण, अनुसंधान पद्धतियों तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय अनुभव से उन्हें आधुनिक कृषि प्रणालियों, नवाचारों और वैश्विक मानकों को समझने का अवसर मिला।

कुलपति प्रोफेसर एस.के. कश्यप ने छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम छात्रों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कार्य निदेशक डा. शिवा प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक छात्रों को वैश्विक एक्सपोजर मिल सके और वे नई तकनीकों एवं शोध पद्धतियों से लाभान्वित हो सकें। अधिष्ठाता एवं निदेशकों ने भी छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।



पंतनगर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं का रूस में शैक्षणिक भ्रमण, कुलपति ने की सराहना

पंतनगर। 5 मई 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के 8 छात्र-छात्राओं एवं 2 प्राध्यापकों ने हाल ही में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग एवं मॉस्को का शैक्षणिक एवं ऐतिहासिक भ्रमण किया। यह यात्रा विश्वविद्यालय एवं सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेटेनरी मेडिसिन के मध्य हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत आयोजित की गई। प्रतिनिधिमंडल में विद्यार्थी, नंदानी वर्मा (5वां वर्ष, बीवीएससी एंड एएच), अद्रिजा रावत (4वां/5वां वर्ष, बीवीएससी एंड एएच), शुभी शरण (वेटेनरी पब्लिक हेल्थ), जागृति (एपिडेमियोलॉजी), निकिता पांडेय (पीजी), इशिता सती (पीजी), श्रद्धा स्नेह (माइक्रोबायोलॉजी एवं इम्यूनोलॉजी) एवं रित्विक नंद (वेटेनरी एक्सटेंशन एजुकेशन) शामिल रहे, जबकि उनके साथ प्राध्यापक डा. शिव प्रसाद, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, गायनेकोलॉजी एवं ऑब्स्टेट्रिक्स एवं डा. अरूप कुमार दास, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सर्जरी एवं रेडियोलॉजी भी उपस्थित रहे।

इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मॉस्को की विभिन्न प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं का दौरा किया, जहां उन्होंने आधुनिक तकनीकों, उन्नत अनुसंधान सुविधाओं एवं वैज्ञानिक अवसंरचनाओं का अवलोकन किया। विशेष रूप से छात्रों ने *इन-विट्रो* फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) तकनीक के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की, जो पशु प्रजनन विज्ञान के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। साथ ही उन्होंने अत्याधुनिक उपकरणों, अनुसंधान प्रक्रियाओं एवं नवाचारों को समझते हुए विशेषज्ञों के साथ संवाद कर अपने ज्ञान को समृद्ध किया।

प्रतिनिधिमंडल ने मॉस्को के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का भी भ्रमण किया, जिससे उन्हें रूस की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं इतिहास को समझने का अवसर मिला। यह यात्रा छात्रों के लिए न केवल शैक्षणिक दृष्टि से उपयोगी रही, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीखने एवं कार्य करने के लिए प्रेरणादायक भी सिद्ध हुई। विश्वविद्यालय लौटने पर उनका स्वागत किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा इस पहल की सराहना करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। उन्होंने संकाय एवं छात्रों के लिए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।



Vice Chancellor Honors Pulse Scientists

May 12, 2026. At the recent annual pulses workshop held at the University of Agricultural Sciences (GKVK), Bangalore, under the auspices of the Indian Council of Agricultural Research, the All India Coordinated Pulse Research Project of the GB Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, was awarded the Best Centre Award for the Kharif Pulse Programme. For this achievement, Vice Chancellor Dr. Shivendra Kumar Kashyap presented all the scientists working in coordination on pulse research with certificates. He congratulated all the scientists, calling this honor a major achievement for the university, and advised scientists from various departments to work together in research. On this occasion, he honoured pulse scientists Dr. S.K. Verma and Dr. Anju Arora of the Department of Genetics and Plant Breeding, Dr. V.K. Singh, Dr. D.K. Shukla and Dr. Vineeta Rathore of the Department of Agronomy, Dr. Poonam Gautam of the Department of Soil Science, Dr. K.P.S. Kushwaha and Dr. L.B. Yadav of the Department of Plant Pathology, and Dr. Ruchira Tiwari, Dr. Meena Agnihotri and Dr. J.P. Purwar of the Department of Entomology by giving them certificates.



पंतनगर विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों के साथ कुलपति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

पंतनगर। 16 मई, 2026। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में विश्वविद्यालय केंद्र स्थित समिति कक्ष में कुलपति डा. एस. के. कश्यप द्वारा सभी सहायक प्राध्यापकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विभागों के सहायक प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय में शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार तथा प्रसार गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाते हुए कृषि शिक्षा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना था।

बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति डा. एस. के. कश्यप ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षक केवल अध्यापन तक सीमित न रहें, बल्कि समाज, किसानों और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवाचार आधारित अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने शिक्षकों से कृषि, ग्रामीण विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, पोषण सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि तकनीकों तथा उद्यमिता विकास जैसे समसामयिक एवं अभिनव विषयों पर शोध परियोजनाएं तैयार करने का आह्वान किया।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अग्रणी संस्थान बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी सहायक प्राध्यापकों को उच्च गुणवत्ता वाली राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शोध पत्र ऐसे विषयों पर आधारित होने चाहिए जो किसानों की समस्याओं के समाधान, कृषि उत्पादकता वृद्धि तथा ग्रामीण आजीविका सुधार में उपयोगी सिद्ध हों।

उन्होंने कहा कि सहायक प्राध्यापकों को बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए तथा विभिन्न विभागों और संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर सहयोगात्मक शोध कार्य करने चाहिए। उन्होंने “समन्वय मॉडल” को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ जब एक साथ कार्य करेंगे तो शोध के बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

बैठक के दौरान कुलपति ने समय प्रबंधन, कार्य संस्कृति, शैक्षणिक उत्तरदायित्व तथा दीर्घकालिक कार्ययोजना पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक शिक्षक से अपने आगामी 10 वर्षों की शैक्षणिक एवं अनुसंधान योजना तैयार करने तथा स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक शिक्षक को अपने विभाग में नवीन शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल तकनीकों एवं व्यावहारिक आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए ताकि विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें।

डा. एस.के. कश्यप ने सहायक प्राध्यापकों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के शैक्षणिक भ्रमण, शोध सहयोग, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अनुभव साझा करने वाली गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति शिक्षकों की ऊर्जा, सकारात्मक सोच एवं नवाचार क्षमता पर निर्भर करती है।

बैठक में उपस्थित सहायक प्राध्यापकों ने भी शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में शोध एवं नवाचार की नई संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।



Fisheries Night “Anahita 2026” organized

The Fisheries Society of the College of Fisheries, Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar successfully organized “Fisheries Night – Anahita 2026” on 16th May 2026 with great enthusiasm, cultural spirit, and togetherness. The event served as a celebration of talent, achievements, and unity among students, faculty members, and dignitaries, while also carrying the emotions of a farewell for the outgoing seniors.

The programme was graced by the esteemed presence of distinguished dignitaries including Dr. S. K. Kashyap sir - Honourable Vice Chancellor, Dr. Deepa Vinay ma'am - Registrar, Dr. V. C. Dhyani sir - Dean Student Welfare, Dr. J.P. Jaiswal sir - Director Communication and reverent other deans and directors.

The programme was also honored by the presence of Dr. Avdhesh Kumar, Dean, College of Fisheries, Staff Counsellor - Dr. Ashutosh Mishra, Co-Staff Counsellor - Dr. Akansha Khatri and other faculty members Dr. Vipul Gupta, Dr. Anup Kumar and Dr. Rajesh.

The evening commenced with the ceremonial lamp lighting by the dignitaries, followed by the University Song, which filled the atmosphere with pride, unity, and respect for the institution. Furthermore, a warm felicitation of the guests and dignitaries was presented by the Dean and a formal welcome address by the Staff Counsellor.

During the programme, the dignitaries also addressed the gathering and motivated the students with their inspiring words. Hon'ble Vice-Chancellor Dr. S. K. Kashyap appreciated the efforts and achievements of the College of Fisheries and remarked that the college has brought great laurels and recognition to the university through its consistent performances and activities. He also guided the students towards discipline, dedication, and excellence in their academic and professional lives.

Dr. Deepa Vinay, Registrar, while addressing the audience, expressed her admiration for the students of the College of Fisheries. She mentioned that although the college has comparatively fewer students and faculty members, still the talent, enthusiasm, and capabilities showcased by its students are remarkable and stand out among all the colleges of the university. Her words filled the students with pride and encouragement.

Also, the cultural segment included Ganesh Vandana, Bengali, Lavani, Salsa, Himachali, Semi-Classical, Pahadi and other dance performances. Poetry, singing and many other entertaining acts also showcased the diverse talents of the students. A special performance by the final year students made the farewell moments emotional and memorable for everyone present.

A significant highlight of the event was the presentation of the annual report by the President Mr. Pranjal Mishra and Vice President Miss Pooja Mehta of the Fisheries Society, where they summarized the various co-curricular activities conducted under the banner of the society throughout the session. Their presentation reflected the dedication and active participation of the students in different competitions like digital poster making, face painting, photography, debate, quiz, sports, Aipan making, poetry, sketching, best out of waste, slogan writing and others.

During the programme, all members of the Fisheries Society were felicitated by the honourable chair for their valuable contributions and active involvement. A special felicitation was also given to Miss Sabreena for her exceptional victory in Digital Poster Presentation in the National Workshop organised by ICAR-NAARM, bringing immense pride and recognition to the college.

The programme concluded with a heartfelt vote of thanks delivered by the President and Vice President of the Fisheries Society, expressing gratitude to the dignitaries, faculty members, organizers, participants, and students for making the event successful and memorable.

The evening ended with a delightful dinner followed by emotional farewell moments, where juniors and seniors shared memories, laughter, and best wishes for the future. “Anahita 2026” thus became

a memorable occasion celebrating achievements, friendship, culture, and the spirit of the Fisheries family.



Address of Hon'ble Vice-chancellor on Promoting Research, Innovation, and Academic Excellence at the University

Pantnagar, May 19, 2026. In the auditorium of the College of Agriculture, Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, the Vice Chancellor of the University, Dr. Shivendra Kumar Kashyap, addressed the faculty members of the College of Agriculture. He emphasized the overall development of the university and colleges, strengthening the research culture, promoting student achievement, and strengthening institutional collaboration. He stated that strengthening the advisor-advisee system is essential to make the academic, professional, and personal development of students more effective. Establishing a strong relationship between faculty and students will not only improve the academic environment but also strengthen students' self-confidence, leadership abilities, and personality development. To this end, at least one advisory meeting will be held for each undergraduate student once a fortnight. These meetings will discuss students' academic performance, attendance, exam results, behavior, skill development, internships, soft skills, research interests, and future career prospects. Students will also be encouraged to openly share their personal and professional problems so that appropriate solutions and guidance can be provided in a timely manner.

The Vice-Chancellor stated that in today's times, students need not only curriculum-based education but also mental support, career counseling, and personality development.

He stated that the university's objective is not merely to provide degrees, but to prepare capable, innovative, and self-reliant youth who can make significant contributions to society and nation-building. A strong advisor-advisor system will inculcate discipline, responsibility, and leadership skills in students and help them obtain better opportunities for higher education, competitive examinations, research, entrepreneurship, and employment.

On this occasion, the Vice-Chancellor emphasized the need to establish Centers of Excellence, modern laboratories, coordination between industry and academia, and promote research projects. Particular emphasis was placed on engaging students with practical training, startup culture, agriculture-based entrepreneurship, and innovation-based activities.

The meeting also discussed a roadmap for developing the College of Agriculture as a "model college." The objective of this model is to promote research and projects that directly benefit both farmers and students. Emphasis was placed on developing practical and technology-based solutions to address the challenges facing the agricultural sector.

He also suggested developing a modern "Data Storage and Research Management System" at the university, which would preserve digital records of all research work, publications, projects, and innovations. This would enhance the quality, transparency, and utility of research, and ensure easy access to critical information for future researchers.

The meeting also highlighted the importance of planning for the proper use of university land and better resource management. The Vice-Chancellor stated that every inch of the university's land is crucial and should be effectively utilized for activities such as education, research, agricultural innovation, and income generation. This requires developing business models, establishing agriculture-based enterprises, and promoting institutional networking.

Research publications, student achievements, collaborations with industries, and long-term institutional partnerships will further strengthen the university's national and international standing. He also stated that positive change in the education system can be brought about through continuous dialogue and collaboration between faculty, alumni, and various institutions.

The main objective of the Vice Chancellor's address was to prepare the university for future challenges and pave the way for new possibilities in the fields of education, research, and innovation.

At the beginning of the program, Dr. Ranjan Srivastava, Professor, welcomed the Vice Chancellor. Dr. Subhash Chandra, Dean of the College of Agriculture, expressed his gratitude to the Vice Chancellor.



The Department of Apparel and Textile Science successfully organized the exhibition "Sankalan 2026," a showcase of student-made products

Pantnagar. May 21, 2026. The Department of Apparel and Textile Science of the College of Community Sciences of GBPUAT, Pantnagar successfully organized the two-day exhibition, "Sankalan 2026," to showcase the creative talents of students. The exhibition scheduled for May 21st and 22nd, showcased various handmade and designer products created by fourth-year students under Student Ready Program. The primary objective of the exhibition was to promote entrepreneurship development among the students.

The exhibition was inaugurated by the Honorable Vice Chancellor, Dr. Shivendra Kumar Kashyap, and the University's First Lady, Mrs. Renu Kashyap. Dr. Alka Goyal, Dean of the College of Community Sciences, and Deans and Directors of other colleges were also present. Heads of departments and faculty from various departments were also present.

The exhibition's attractions were the handmade products designed and created by students and hand-stitched designer garments. Additionally, various artistic pieces created using beautiful artwork, including dyeing and printing, patchwork, appliqué, quilting, and crochet, were also showcased. The created garments were also displayed on the ramp. This exhibition served as an excellent platform to showcase the students' creativity, skills, and innovation.

The Vice-Chancellor inspected various theme-based stalls set up by the students. He praised the students' efforts and stated that this exhibition is not merely about selecting fabrics and sewing, rather, it is the vision of the young people that makes this theme-based exhibition so vibrant and interesting. They have thought deeply about the incorporation of various colors into all the garments and other materials. He also heartily congratulated the students and their mentors for this unique endeavor.

This exhibition was successfully organized under the guidance and direction of course instructors Dr. Anita Rani, Dr. Shefali Massey, and Department Head Dr. Manisha Gehlot.

All the students, teachers and visitors present at the exhibition highly appreciated the creative work of the students.



पंतनगर विश्वविद्यालय में NBA प्रत्यायन तैयारी पर दो-दिवसीय कार्यशाला आयोजित

पंतनगर, 22 मई, 2026। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में “UG इंजीनियरिंग प्रोग्राम्स हेतु संशोधित NBA दिशानिर्देशों के अंतर्गत प्रत्यायन तैयारी” विषय पर दो दिवसीय प्रोफेशनल ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन NITTTR चंडीगढ़ एवं कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, पंतनगर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें NBA समन्वयक डॉ. एस. डी. सामंतराय ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इसके बाद डीन, कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी डॉ. एस. एस. गुप्ता ने गुणवत्ता आधारित शिक्षा एवं प्रत्यायन के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में डॉ. मीनाक्षी सूद (NITTTR, चंडीगढ़) एवं डॉ. संदीप ग्रोवर ने संशोधित NBA फ्रेमवर्क, SAR संरचना, डेटा आवश्यकताओं, OBE, CO-PO मैपिंग तथा प्रत्यायन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता GBPUAT के कुलपति डॉ. एस. के. कश्यप ने की तथा शिक्षकों को उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के सह-समन्वयक (Co-Coordinator NBA) डॉ. डी. एस. मूर्ति ने भी कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन एंकर रिया खर्कवाल एवं पार्थवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉली, योगेश, विनीता, लोकेश एवं मनीष का विशेष सहयोग रहा।

इस अवसर पर कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के सभी विभागों के संकाय सदस्यों (Faculty Members) एवं विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में NBA प्रक्रिया, SAR, CO-PO Mapping तथा OBE से संबंधित विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।



G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar Distt-Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

Pantnagar University Celebrates a Grand Confluence of Yoga and Valor: Equestrian Cadets' Spectacular Performance Captivates Audience

Pantnagar, June 21, 2026. Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, celebrated International Yoga Day with great enthusiasm, discipline, and public participation. The event was organized under the leadership of Vice-Chancellor Dr. Shivendra Kumar Kashyap and witnessed active participation from deans, directors, faculty members, officers, employees, and students, who performed yoga collectively. On this occasion, the University's First Lady, Mrs. Renu Kashyap, along with members of the Ladies Club, also enthusiastically participated in the Yoga Day celebrations.

Addressing the gathering, Dr. Kashyap emphasized that yoga is not limited to physical well-being; rather, it serves as a medium for harmonizing the body, mind, intellect, and soul. He described yoga as an invaluable heritage of Indian culture that inspires individuals to lead balanced, healthy, and positive lives. He noted that yoga helps in controlling mental fluctuations and enables individuals to attain mental peace and inner strength. He urged everyone to make yoga a regular part of their daily routine.

The most attractive and widely appreciated highlight of the event was the Equestrian Yoga Demonstration presented by the University's NCC cadets, which gave the celebration a distinctive identity. The trained equestrian cadets performed a remarkable display of yoga postures, balance, concentration, and horsemanship while riding horses in controlled motion. This rare fusion of yoga and equestrian art mesmerized the audience and elevated the event to a new level.

During the performance, the cadets showcased exceptional courage, discipline, self-confidence, mental focus, and physical control, presenting an inspiring example of youth potential, leadership qualities, and professional training. Several yoga postures performed amid the movement of the horses thrilled the spectators. Throughout the demonstration, the audience remained captivated by the riders, whose extraordinary balance and skill left everyone amazed. At the conclusion of the performance, the entire venue resonated with thunderous applause.

This unique presentation of Equestrian Yoga conveyed the message that yoga is not merely a spiritual practice but also a foundation for courage, balance, self-discipline, leadership, and excellence. The remarkable combination of yoga and valor effectively highlighted the strength of Indian youth, the spirit of discipline, and the significant role of NCC in nation-building.

Yoga expert Ms. Rajeshwari Pokhariya demonstrated various yoga postures, pranayama techniques, and other yogic practices, guiding participants through the exercises. The programme was conducted by Mr. K.P. Singh.

On this occasion, members of the University community collectively resolved to adopt a healthy lifestyle and promote yoga among the masses. The event not only enhanced awareness about yoga but also reinforced the values of Indian knowledge traditions, discipline, and self-confidence. This unique blend of yoga and valor made the International Yoga Day celebration a memorable event in the University's history.

The successful organization of the programme was made possible through the significant contributions of Dr. Vipin Chandra Dhyani, Dean of Student Welfare; Dr. G.S. Bohra, In-charge, Physical Education; Dr. Poonam Tyagi, Associate Director of Physical Education; Dr. Bhaskar Tiwari; and Dr. H.S. Papola. Officers and staff members of the Department of Student Welfare and the Physical Education Section also extended valuable support in ensuring the success of the event.



IPB University (Indonesia) delegation visits Pantnagar University, discusses academic and research collaboration

A high-level delegation from the prestigious IPB University of Indonesia visited Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar. Detailed discussions were held on strengthening academic, research, student and faculty exchange, and international collaboration between the two universities.

The delegation was led by Prof. Iskandar Z. Siregar, Vice Rector, Global Connectivity, Collaboration and Alumni. He was accompanied by Dr. Raden Dicky Indrawan, Director, International Education; Dr. Sony Hartono Wijaya, Head of the Department of Computer Science; Dr. Indri Hapsari Fitriani, Deputy Director of International Education; and Mr. Endang Purnama Giri, Lecturer, Department of Computer Science.

The delegation was welcomed by the University's Vice-Chancellor, Prof. Shivendra Kumar Kashyap. During the meeting, possibilities for cooperation in the fields of agriculture, technology, information science, innovation, joint research projects and students and faculty exchange were discussed.

On this occasion, Vice Chancellor Prof Shivendra Kumar Kashyap honored all members of the delegation by presenting them with the university's emblem and mementos. Professor Iskandar Z. Siregar also honored the Vice Chancellor with a memento. Dr. Indri Hapsari Fitriani also presented a gift to the University Registrar.

In his address, Prof. Kashyap noted that India and Indonesia share many similarities in geographical and agricultural conditions. Their climate, agricultural systems, and development challenges are largely similar. Consequently, there is strong potential for developing strong academic, research, and technical collaborations between Pantnagar University and IPB University. He expressed confidence that this dialogue will pave the way for future joint research, student-teacher exchanges, and innovation-based projects.

The delegation visited the university's various research centers, laboratories, and educational facilities and appreciated the university's work in the fields of agriculture and technology. Members of the delegation also expressed their desire to establish long-term collaboration between the two institutions.

The program was attended by university deans, directors, department heads, scientists, and faculty members. This visit is considered an important step in renewing international cooperation between two leading agricultural universities in India and Indonesia.



The "Gyan Diksha 2026" program became a confluence of knowledge, science, and culture.



Pantnagar. May 23, 2026. Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, organized a grand "Gyan Diksha 2026" program to encourage students' all-round development, innovation, and life values. The program was inaugurated with the lighting of a lamp by the chief guest Dr. Sudhanshu Trivedi, Hon'ble Member of Parliament (Rajya sabha), a vibrant orator, a renowned thinker, and a distinguished alumnus of Pantnagar University.

Addressing the program, Dr. Sudhanshu Trivedi said that Pantnagar University is not just an educational institution that grants degrees, but a powerful school that develops personality, leadership skills, and life values. He said that the four years of university life are the "golden days" of any student's life, the memories of which provide energy and inspiration throughout life.

He told the students that today's era is not just about acquiring information, but about putting knowledge into practice and moving forward towards innovation. Knowledge means "information," while Deeksha "initiation" provides direction and purpose in life, which requires a mentoring and guidance. He advised students to create an environment in their university life that inspires positive thinking, creativity, and social responsibility.

Dr. Trivedi stated that Pantnagar University's culture, discipline, and academic tradition hold a distinct identity nationwide. It not only provides education, but also instills in students real-life experiences, team spirit, the ability to struggle, and leadership qualities. Sharing memories of his student days, he said that the moments spent at Pantnagar remain they most precious treasures of his life.

The chief guest also expressed his views on science, technology, quantum computing, cosmic energy, consciousness, and the modern education system. He stated that today's youth are facing new challenges in a rapidly changing world, and therefore, they must develop a scientific mindset, a spirit of inquiry, and a positive attitude. He encouraged students to pursue research, patents, innovation, and a startup culture.

He stated that science and philosophy complement each other. The purpose of human life is not merely material achievement, but also self-development, responsibility, and the inculcation of human values. He elaborated on topics such as "Knowledge and Wisdom," "Science and Philosophy

of Life," "The Essence of Existence," and "Heaven and Earth." He emphasized that individuals should utilize their knowledge and abilities for the development of society and the nation.

Dr. Trivedi emphasized that social media and digital platforms have become an important part of young people's lives today, but their positive and constructive use is essential. He urged students to utilize their energy and time in the right direction and to embrace discipline, honesty, and self-confidence as the foundation of their lives.

He emphasized that adherence to rules, a positive attitude, mature thinking, and self-evaluation are essential for success in any endeavor. A balance of knowledge and wisdom is what makes a person successful and superior. The integration of science and art can provide a new direction to society and make human life more prosperous and meaningful.

Dr. Trivedi advised students to set big goals in life and maintain a constant learning attitude. He stated that a university is not just a place of study, but a center for the formation of ideas and the development of personality.

On this occasion, Vice-Chancellor Prof. S.K. Kashyap stated that the university is constantly striving for the holistic development of students. He stated that a new initiative like "Gyan Diksha 2026" will provide students with fresh thinking, inspiration, and a positive outlook on life.

Acting Registrar Dr. R.S. Jadon welcomed the guests. Dr. Vipin Dhyani, Dean of Student Welfare, expressed his gratitude to the Chief Guest, guests, and all participants present and said that this program is highly inspiring, informative, and provides new energy to the students. The program was conducted by Dr. Chhaya Shukla, Associate Dean of Student Welfare.

The Controller of the University, Director of Administration and Monitoring, Deans of all the colleges, Directors, teachers, officers, employees and final year students of all the degree programmes were present in large numbers in the programme.

**Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology
Pantnagar, District- Udham Singh Nagar (Uttarakhand)**

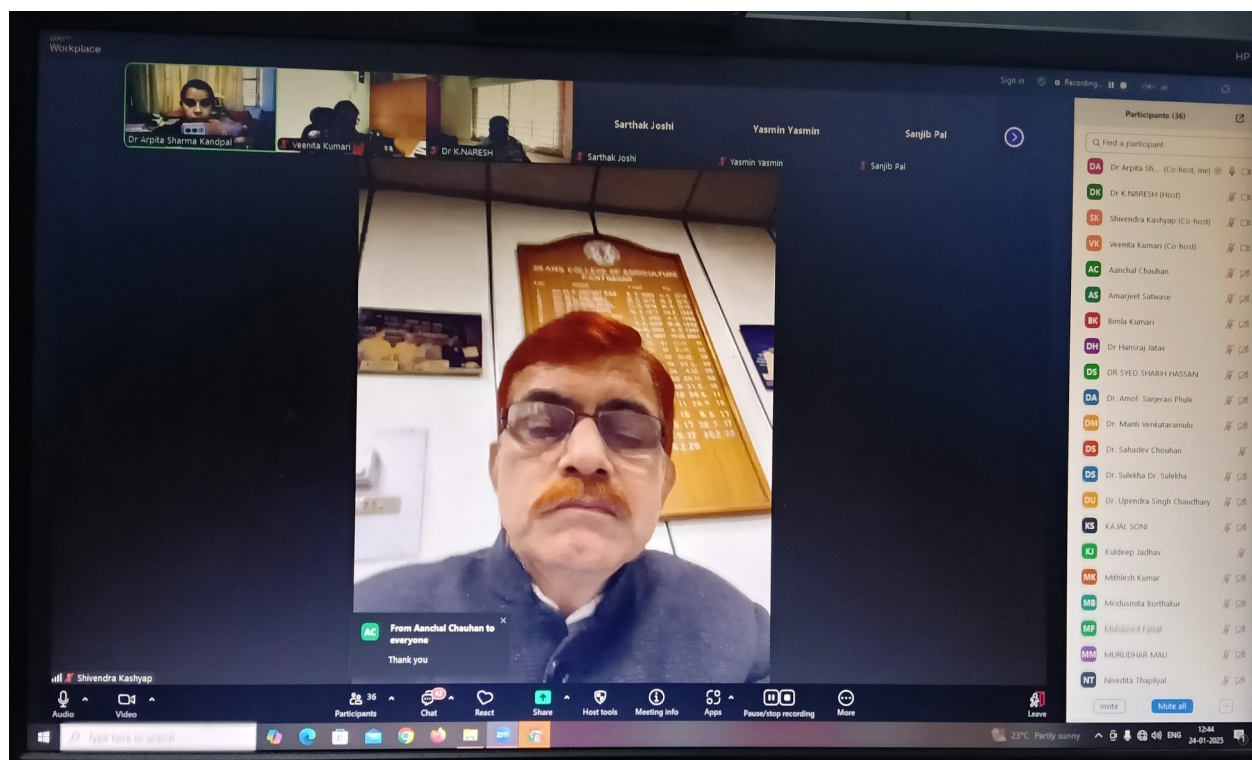
Five-day Training Programme Successfully Concluded at the University

Pantnagar. 24 January 2025. The valedictory function of the five-day Collaborative Online Training Program on Gender Sensitization and Women-Led Extension, jointly organized by the Department of Agricultural Communication, GBPUA&T, Pantnagar, and MANAGE, Hyderabad, was successfully held on the iEcho online platform. The program concluded on a high note, highlighting the importance of gender inclusivity in agriculture and promoting women-led extension models. The event was graced by eminent dignitaries, including Dr. S. K. Kashyap, Dean, College of Agriculture, GBPUA&T, Pantnagar; Dr. Veenita Kumari, Deputy Director (Gender Studies), MANAGE, Hyderabad; and Dr. V.L.V. Kameswari, Head, Department of Agricultural Communication, GBPUA&T, Pantnagar.

In his address, Dr. S.K. Kashyap appreciated the efforts of the organizers and participants, stating, "This program has been an excellent platform to address critical gender-related challenges in agriculture. The knowledge and strategies shared during these sessions will greatly benefit participants in their professional pursuits." He further emphasized the need for gender-sensitive research, extension activities, and development initiatives to bridge the existing gaps and empower women in the sector.

Dr. Veenita Kumari highlighted the collaborative spirit of the program and its contribution to creating a gender-inclusive agricultural ecosystem. She said, "Such initiatives are crucial for understanding and addressing gender disparities in agriculture. This program has successfully provided actionable insights and innovative strategies for fostering inclusivity and empowering women." The training program was efficiently coordinated by Dr. Arpita S. Kandpal, Assistant Professor, Department of Agricultural Communication, GBPUA&T, Pantnagar.

The program witnessed the active participation of 62 scientists and professionals from various universities and institutions across the country. It served as a platform for exchanging ideas, sharing best practices, and fostering collaboration on gender-inclusive agricultural development. The five-day program was widely mentioned for its impactful content and collaborative efforts. It stands as a testament to the commitment of GBPUA&T, Pantnagar, and MANAGE, Hyderabad, toward driving meaningful change in agriculture through gender empowerment. Participants expressed gratitude for the opportunity to enhance their understanding of gender issues and strategies for inclusivity, with the hope that such initiatives will continue to inspire progress in the agricultural sector.



Dean Agriculture Dr. S.K. Kashyap addressing the online training program.

Director Communication

ब्रेन 3.0 के समापन पर कृषि नवाचारों का रोडमैप तैयार, एलुमनाई ने विश्वविद्यालय के विकास के लिए दिए दूरदर्शी सुझाव

पंतनगर। 27 जून 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में दो-दिवसीय तीसरी राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला 'बूस्टिंग रिसर्च, एकेडमिक्स, इनोवेशन एंड नेटवर्किंग (ब्रेन 3.0)' का वैलिडिफिकेशन सत्र के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला के दौरान विश्वविद्यालय के भविष्य के अनुसंधान, शिक्षा, नवाचार तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग को नई दिशा देने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया।

ब्रेन 3.0 के समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर तथा असम कृषि विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति डा. ए.एन. मुखोपाध्याय उपस्थित रहे। उन्होंने ब्रेन 3.0 के सफल एवं प्रभावी आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन, आयोजन समिति तथा सभी सहभागी पूर्व छात्रों (एलुमनाई) को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय को एलुमनाई का इसी प्रकार सक्रिय सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा, जिससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं नवाचार गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी। डा. मुखोपाध्याय ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप के नेतृत्व की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी सोच के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं कृषि विकास के क्षेत्र में नई उपलब्धियाँ प्राप्त करेगा तथा निरंतर उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा।

दो-दिवसीय मंथन के दौरान विभिन्न विषयगत समूहों ने अपनी कार्ययोजनाएं प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर कृषि अनुसंधान, नवाचार एवं तकनीकी विकास का अग्रणी संस्थान बनाने के लिए अनेक व्यावहारिक एवं भविष्य उन्मुख सुझाव दिए। विशेषज्ञों ने कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), प्रिसिजन फार्मिंग, सेंसर आधारित सिंचाई प्रणाली, डिजिटल एग्रीकल्चर, हाइड्रोपोनिक्स, कार्बन फार्मिंग, कार्बन क्रेडिट, कार्बन उत्सर्जन मैपिंग, मृदा परीक्षण, मौसम आधारित निर्णय प्रणाली तथा फसल रोगों के पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने पर विशेष बल दिया।

बैठक में उद्यानिकी क्षेत्र के विकास को लेकर भी महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। उत्तराखंड में उच्च गुणवत्ता वाली नर्सरियों की स्थापना, बड़े पैमाने पर पौध उत्पादन, आधुनिक प्लांटिंग मैटेरियल उपलब्ध कराने तथा फल एवं सब्जी उत्पादन को तकनीकी सहयोग प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही इफको, एग्री मॉल तथा अन्य औद्योगिक एवं संस्थागत साझेदारों के सहयोग से नवाचार केन्द्र विकसित करने और कृषि तकनीकों के व्यवसायीकरण की दिशा में कार्य करने पर भी सहमति बनी। विशेषज्ञों ने मक्का साइलेज, नेपियर घास, ऊर्जा फसलों तथा कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा (वेस्ट-टू-एनर्जी) उत्पादन जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देने और किसानों की भागीदारी पर आधारित मॉडल विकसित करने का सुझाव दिया। एलुमनाई ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान को उद्योगों की आवश्यकताओं से जोड़ने, कृषि आधारित स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने तथा तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय में रिसर्च हेल्प डेस्क, इनोवेशन सेल, एआई एवं डेटा सेंटर, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सिस्टम तथा उद्योग-अकादमिक सहभागिता को सुदृढ़ करने के लिए ठोस पहल करने की अनुशंसा की गई। साथ ही विद्यार्थियों को एलुमनाई नेटवर्क से जोड़ते हुए मेंटरशिप, इंटर्नशिप, स्टार्टअप सहायता तथा उद्यमिता विकास कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी सहमति व्यक्त की गई। चर्चा के दौरान कार्बन क्रेडिट नीति, रिवॉल्विंग फंड, प्रोजेक्ट आधारित फंडिंग, एग्री-बिजनेस मॉडल, डिजिटल प्लेटफॉर्म, मौसम आधारित कृषि सलाह तथा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के विकास पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

समापन अवसर पर कुलपति प्रो. एस.के. कश्यप ने कहा कि ब्रेन 3.0 केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के भावी विकास की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि एलुमनाई का अनुभव, उद्योग जगत की भागीदारी तथा विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक क्षमता मिलकर कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों एवं नवाचारों को किसानों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यशाला से प्राप्त सुझाव विश्वविद्यालय की भावी नीतियों और अनुसंधान कार्यक्रमों को नई दिशा देंगे।

इस अवसर पर कुलसचिव डा. दीपा विनय ने ब्रेन 3.0 के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी पूर्व छात्रों (एलुमनाई), प्रतिभागियों एवं सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी। समापन सत्र के अंत में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डा. विपिन ध्यानी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए भारत सरकार के माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड सरकार के माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप, सभी विशिष्ट अतिथियों, एलुमनाई, विभिन्न आयोजन समितियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से ब्रेन 3.0 के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।



G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar Distt-Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

Welcome of New Vice-Chancellor at Pantnagar University, Special Emphasis on Teamwork and Values

Pantnagar, April 28, 2026. Professor Shivendra Kumar Kashyap, the newly appointed Vice-Chancellor of Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar addressed the gathering of faculty and staff in Gandhi Hall Auditorium. In his address, Vice-Chancellor drew everyone's attention to preserving the legacy and work culture of Pantnagar Agricultural University so that its identity remains distinct from other universities as before. He said that we are capable of achieving great things and will reach new heights in the coming days.

Under the Land-Grant Pattern, the teaching, research and extension are integrated. He emphasized upon to give best to serve the society and uphold the reputation of the University at the state, national and international levels. He further reiterated that the true identity of any institution is not built merely on discipline, but on the values, mutual respect and commitment of its people. He stated that a strong work culture develops only when everyone works together with a team spirit. Transparency, timeliness, accountability and a positive mindset are essential. Every individual should remain dedicated to their work and treat the institution like a family. He also said that the university must set new standards of excellence at the national and international levels. For this, special attention will be given to quality teaching, advanced research, and the integration of modern technologies. He added that priority will be given to programs related to increasing farmers' income, agricultural innovation, and rural development, so that the university's role in society becomes even more impactful.

At the program held in Gandhi Hall, the University Registrar, Dr. Deepa Vinay, welcomed the Vice-Chancellor and highlighted his biography and achievements.

Before addressing the gathering, the Vice-Chancellor held a meeting with members of the University Management Committee, where he suggested all deans and directors to contribute their best services for the benefit of the university. He then visited the Department of Agricultural Communication, where he was honoured by faculty members and students.



Special Alumni Workshop to be organized at Pantnagar University on June 26–27, 2026

Pantnagar, May 28, 2026. A special two-day Alumni Workshop will be organized at Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar on June 26 and 27, 2026. Vice-Chancellor Dr. S.K. Kashyap informed that the main objective of this special event is to establish stronger interaction among the university's alumni, teachers, scientists, researchers, industry experts, and students while providing new direction to innovation, technical collaboration, and institutional development.

The Vice-Chancellor held a detailed discussion regarding the alumni workshop with the Deans of various colleges, Directors, and members of the University Technical and Planning Cell. Distinguished alumni of the university, who are excelling in different fields across India and abroad, will be invited to the workshop so that their experiences, achievements, and suggestions may inspire current students and researchers. The programme is also expected to witness the participation of several distinguished guests, including the Hon'ble Chief Minister and Hon'ble Governor of Uttarakhand.

He stated that the workshop would not be limited to an alumni reunion alone but would also focus on the university's future roadmap, technological advancement, and strengthening its national identity. Special technical sessions will be organized on important subjects such as agriculture, animal husbandry, fisheries, hatchery, artificial intelligence, research and technology, startups, innovation, patents, seed production, outreach activities, and industry-academia collaboration.

Different colleges of the university will present their research achievements, innovations, and technological developments. In addition, special PR material, attractive brochures, and literature highlighting the university's achievements, research accomplishments, and technological progress are being prepared. Special "PR Bags" will also be provided to visitors and distinguished guests to familiarize them with the university's achievements.

The Illustrious alumni participating in the programme will interact with university students to provide insights regarding industry experience, research networking, internships, entrepreneurship, startups, and new employment opportunities. During the workshop, extensive discussions will also be held on the university's development model, technological collaborations, partnerships with industries, research extension, innovation-based programmes, and employment-oriented initiatives. Special emphasis will also be laid on developing a strong network between the university and the industrial sector.

The Vice-Chancellor stated that with the special support of distinguished alumni, this event would play an important role in taking Pantnagar University to new heights of innovation, research, and technological excellence at the national level, while further strengthening the university's glorious legacy.



गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पन्तनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

मूलभूत विज्ञान सभी शोध गतिविधियों की आधारशिला – कुलपति

पंतनगर। 29 मई, 2026। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 'फैकल्टी इंटरैक्शन कार्यक्रम' के अंतर्गत कुलपति प्रोफेसर शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शोध, नवाचार तथा समाजोपयोगी कार्यों से बनती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बहुविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान की आवश्यकता निरंतर बढ़ रही है तथा विश्वविद्यालयों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

कुलपति प्रोफेसर कश्यप ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि नवीन ज्ञान सृजन, वैज्ञानिक सोच एवं तकनीकी विकास का प्रमुख आधार भी है। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान की विभिन्न विषयों यथा, अनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, पादप रोग विज्ञान, औद्योगिकी, सब्जी विज्ञान एवं कीट नियंत्रण आदि सभी में जैव प्रौद्योगिकी के सहयोग से एक उच्च गुणवत्ता वाले शोध, कम्प्यूटेशनल साइंस तथा पर्यावरण विज्ञान जैसे क्षेत्रों को आपस में जोड़कर ही सतत विकास के लक्ष्यों को प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मूलभूत विज्ञान सभी शोध गतिविधियों की आधारशिला है और मजबूत वैज्ञानिक समझ के बिना कोई भी तकनीकी नवाचार सफल नहीं हो सकता। विश्वविद्यालयों को ऐसे शोध कार्यों को बढ़ावा देना चाहिए जिनसे समाज, उद्योग तथा किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। कुलपति ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र, पेटेंट, नवीन उत्पाद तथा तकनीकी विकास किसी भी संस्थान की प्रगति के महत्वपूर्ण संकेतक होते हैं। उन्होंने कहा कि आज विभिन्न उद्योग एवं संस्थाएं उन्हीं विश्वविद्यालयों से जुड़ना चाहती हैं जिनके पास मजबूत अनुसंधान क्षमता एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध हों। उन्होंने विश्वविद्यालय में सामुदायिक सहभागिता, नेटवर्किंग तथा सहयोगात्मक परियोजनाओं के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों को मिलकर कार्य करना चाहिए ताकि समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजा जा सके तथा विश्वविद्यालय राष्ट्रीय विकास में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सके।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में कार्यवाहक अधिष्ठात्री, विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय डा. लक्ष्मी तिवारी ने महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संकाय सचिव डा. एस.के. दूबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान कार्यों में आ रही कठिनाइयों से कुलपति को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य उपस्थित थे।



पशु चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति ने उत्कृष्टता, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार पर दिया जोर

पंतनगर। 29 मई 2026। विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति ने पशुचिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और संस्थागत संस्कृति को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता, वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

कुलपति प्रोफेसर शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने कहा कि पशुचिकित्सा महाविद्यालय विश्वविद्यालय की 'जीवंत इकाई' के रूप में कार्य कर रहा है, जहां डेयरी, कुक्कुट पालन, चिकित्सीय सेवाओं और अनुसंधान गतिविधियों के माध्यम से प्रतिदिन समाज से सीधा जुड़ाव बना रहता है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की पहचान केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तकनीक को प्रयोगशाला से किसानों और पशुपालकों तक पहुंचाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय ने वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा जैसी रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध और सशक्त आंकड़ा प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि संस्थान की वास्तविक शक्ति उसकी टीम भावना, कार्य संस्कृति और मजबूत शैक्षणिक वातावरण में निहित है। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की उत्कृष्टता केवल एक व्यक्ति के कारण नहीं होती, बल्कि अनेक वैज्ञानिकों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से विकसित होती है। उन्होंने शिक्षकों और वैज्ञानिकों से नई तकनीकों को आगे बढ़ाने, शोध परियोजनाओं को मजबूती देने तथा बहु-संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने महाविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां भ्रूण प्रत्यारोपण, जैव-प्रौद्योगिकी, रोग निगरानी तथा डेयरी क्षेत्र से जुड़ी कई उन्नत तकनीकों पर महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। कुलपति ने अनुसंधान प्रयोगशालाओं को उत्कृष्टता का प्रमुख मानक बताते हुए कहा कि आधुनिक प्रयोगशालाएं और सक्षम शिक्षण संकाय किसी भी संस्थान की प्रगति की आधारशिला होती हैं। कुलपति ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसा वातावरण विकसित किया जाना चाहिए जहां नवाचार, सहयोग और वैज्ञानिक सोच को निरंतर प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जीवों के प्रति संवेदनशीलता और सेवा का माध्यम है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अधिष्ठाता पशु चिकित्सा डा. डी. कुमार ने कुलपति का स्वागत किया और महाविद्यालय की प्रगति, वर्तमान में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं तथा भविष्य की योजनाओं के विषय में कुलपति के समक्ष प्रस्तुति की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य उपस्थित थे।



G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar Distt-Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

The Values of Family are the Core of Discipline: Vice Chancellor



The Vice Chancellor of Pantnagar Agricultural University, Professor Shivendra Kumar Kashyap, addressed the girl students in the Gandhi Hall auditorium of the university. In his address, he first provided information about the unique features of Pantnagar University and highlighted various aspects for the overall personality development of the students. He emphasized the importance of personal discipline in life and the crucial role of family values in this regard. He stated that students should participate regularly in various meaningful activities such as sports, exercise, cultural programs, and competitions, alongside their studies, as this helps in the holistic development of their personality. He also mentioned that extracurricular activities play a significant role in gaining admission to higher education, particularly abroad, alongside academic capabilities. Therefore, students should engage in such activities with a joyful heart, contributing to both their knowledge and skill enhancement, which will ultimately lead to their all-around personality development. He pointed out that once students enter the university, their responsibility falls upon the Vice Chancellor. Therefore, students should study without stress, ensuring smooth academic progress. Pantnagar University has a unique advisory system where advisors take care of the students. Students should regularly meet their advisors. The university provides all the basic facilities for the holistic development of students, such as a stadium, fitness center, and various committees for cultural and other programs. The hostels for female students are equipped with all minimum needful facilities, and additional amenities will be provided in the future to make their lives more convenient.

The Vice Chancellor further said that students should not limit themselves to their own colleges but should also visit other colleges, research centers, and laboratories within the university. This will foster an innovative mindset. He mentioned that in institutes like IITs and IIMs, students are introduced to project work from their second year in undergraduate programs, which enhances their profiles and facilitates their admission to higher education abroad. He stressed the need to adopt similar initiatives here at Pantnagar. He also mentioned that Pantnagar University offers a unique opportunity, and the four-year tenure of the undergraduate degree is a golden period for shaping one's life positively.

The Vice Chancellor also suggested that all girl students' hostels across the university should have a fixed time for evening entry, which should be decided by the

Dean of Student Welfare. Clean drinking water should be available in all hostels, along with the provision of washing machines. He urged all students to remain enthusiastic and work on their overall development within the university campus, adopting a corporate culture, and making their future bright.

At the beginning of the program, the Registrar, Dr. Deepa Vinay, welcomed the Vice Chancellor and informed the students about his life and achievements. The event was attended by Deans of various colleges, the Dean of Student Welfare, Director of Communication, Assistant Dean of Student Welfare, Wardens and Assistant Wardens of various hostels. At the end of the program, the Registrar thanked the Vice Chancellor and other attendees.

Pantnagar University Capable of Meeting Farmers' Seed Requirements: Dr. Kashyap

Pantnagar, June 3, 2026. At a meeting of the State Farmers' Commission, Dr. Shivendra Kumar Kashyap, Vice-Chancellor of Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, emphasized the importance of ensuring the availability of high-quality seeds for farmers across the state. He stated that if the university is informed of the state's seed requirements, Pantnagar University is fully capable of supplying seeds according to the demand.

Dr. Kashyap stressed the need for greater coordination between the state's two agricultural universities. He said that if students and scientists from both institutions work together in accordance with educational and research needs, it would significantly accelerate the state's development. He also called for stronger collaboration among all scientific institutions operating in the state so that responsibilities related to development initiatives can be effectively shared and pursued collectively.

During the meeting, Director of Agriculture, Mr. Dinesh Kumar, welcomed and honored the Vice-Chancellor. The meeting was attended by Mr. Ajit Chaudhary, Vice-Chairman of the State Farmers' Commission, Sardar Surendra Singh Namdhari, other selected members of the commission, and senior officials from the state's Agriculture, Horticulture, and Finance Departments.



Pantnagar University to Actively Participate in Nationwide 'Save the Farm Campaign'

Pantnagar, June 5, 2026. A meeting regarding the nationwide 'Save the Farm Campaign' was held at Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, under the chairmanship of Vice Chancellor Dr. Shivendra Kumar Kashyap. Dean Dr. Subhash Chandra, Director of Research Dr. S.K. Verma, Director of Communication Dr. J.P. Jaiswal, along with university scientists and faculty members were present.

It was informed at the meeting that the Government of India is running a month-long 'Save the Farm Campaign' from June 1 to June 30 to raise awareness among farmers about balanced fertilizer use, soil health management, soil health cards, natural farming, sustainable farming, and sustainable agricultural practices.

The University will actively support this campaign through its Krishi Vigyan Kendras (KVKs), scientists, and extension network. Under this initiative, special awareness programs, farmer seminars, village-level campaigns, and stakeholder dialogues will be organized in various areas, including Rudrapur, Gadarpur, and Khatima. Representatives of Panchayati Raj Institutions, various departments, fertilizer and agricultural input dealers, and progressive farmers will also be involved in the campaign.

At the meeting, the Vice Chancellor stated that the indiscriminate use of chemical fertilizers has adversely affected soil health and agricultural productivity. Farmers will be encouraged to adopt soil test-based fertilizer use, integrated nutrient management (INM), integrated pest management (IPM), biological control measures, and natural farming. He also emphasized the importance of soil health cards in determining the appropriate quantity and type of fertilizers for different crops.

Vice Chancellor Dr. Kashyap stated that soil is a living natural resource, and its conservation is essential for sustainable agriculture. He called upon scientists, Krishi Vigyan Kendra personnel, and extension workers to reach out to every village and provide scientific information to farmers. He also stressed the need for a multi-pronged public awareness campaign to transform balanced fertilizer use and soil conservation into a mass movement.

During the campaign, farmers will be made aware of the physical, chemical, and biological properties of soil, scientific crop management, water conservation, and sustainable agricultural practices. University scientists will promote long-term soil health and agricultural sustainability by organizing field demonstrations, training programs, and farmer dialogues throughout the campaign.

The meeting concluded with a collective resolve by all stakeholders to make the 'Save the Farm Campaign' a success and to spread widespread awareness among farmers about balanced fertilizer use and soil health conservation.



विश्वविद्यालय के खेल कप्तानों एवं पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान

पंतनगर, 6 जून 2026। गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए चयनित विभिन्न खेलों के विश्वविद्यालय कप्तानों तथा उत्तराखण्ड राज्य अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता 2025-26 में पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप द्वारा सम्मानित किया गया।

सम्मानित विश्वविद्यालय कप्तानों में एथलेटिक्स के विशाल राज एवं ज्योति, बैडमिंटन के दीपांक बिष्ट एवं प्रांजला बिष्ट, लॉन टेनिस के आर्यन बर्तवाल, स्क्वैश के अनुमय सिंह भण्डारी, बास्केटबॉल के अस्मित नेगी एवं कृतिका, क्रिकेट के अंशुमान भट्ट एवं अक्षिता रौथान, इंडोर गेम्स के तनमय लोशाली एवं चेतना रमोला, टेबल टेनिस के प्रथम अरोरा एवं दिव्या भट्ट, कबड्डी के आदित्य अग्रवाल एवं अनुराधा राजपूत, खो-खो के भावेश सिंह बानी एवं प्रियंका बिष्ट, वॉलीबॉल के अनुभव पाण्डेय एवं अनुप्रिया आर्या, योग के नवदीप करनवाल एवं प्रज्ञा जैन, भारोत्तोलन के दिनेश भगत, फुटबॉल के सौरव बिष्ट तथा हॉकी के दानिश हुसैन शामिल रहे।

उत्तराखण्ड राज्य अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता 2025-26 में स्वर्ण पदक विजेता 4×100 मीटर रिले टीम के सदस्य विशाल तोमर, विशाल राज, अली रहमान एवं अविश्रेय सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त टेबल टेनिस पुरुष वर्ग में रजत पदक विजेता प्रथम अरोरा, वेदांत कुमार शर्मा एवं गर्वित तिवारी तथा एथलेटिक्स की 1500 मीटर दौड़ में कांस्य पदक विजेता आर्यन कुमार को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक दक्षता बढ़ाते हैं, बल्कि नेतृत्व, अनुशासन और टीम भावना का भी विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. वी.सी. ध्यानी, क्रीड़ा परिषद के स्टाफ काउंसिल सदस्य डा. प्रमोद मल्ल एवं डा. साक्षी कपूर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी शारीरिक शिक्षा डा. गोविन्द सिंह बोहरा ने किया।



Exhibition on Value Added Products organised to celebrate World Honey Bee Day

Pantnagar, 22 May 2026. An exhibition on value-added honeybee products was successfully organized at Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar by the B.Sc. (Ag.) final year students under the Experiential Learning Programme (ELP) on Commercial Beekeeping.

The programme was inaugurated by the Vice-Chancellor Dr. Shivendra Kumar Kashyap along with his spouse through ribbon cutting and ceremonial lamp lighting. The event was conducted under the guidance of Dr. Poonam Srivastava, Professor, Department of Entomology and Instructor In-charge of the ELP on Commercial Beekeeping. At the beginning of the programme, students effectively demonstrated the importance of honey bees through attractive charts and posters.

During the exhibition, the Vice-Chancellor visited all the stalls and appreciated the innovative efforts of the students in developing a wide range of bee-based products. He also shared his vision of establishing a “Bee Comb Park” in the university, where visitors could relax and enjoy various bee-derived products.

The exhibition featured several innovative products including whipped honey premix, beeswax aromatic candles, mosquito repellent products, propolis key chains and fridge magnets, pollen protein bars, beeswax shoe polish, beetroot honey punch, honey face mist, lip balm, face and lip scrub, propolis mouthwash, honey choco nut bite, honey boba coffee, solid perfume, marakhand, hand lotion, honey brightening soap bar, bael juice, sheet masks, madhu dhoop, honey gulkand paan, lassi, honey choco bites, honey dates and nuts rolls, wax-based wardrobe fresheners, honey gond laddoos, honey cheesecake, honey glazed makhana, beeswax diya-bati, honey oat cake, and car fresheners.

On this occasion, Director Research Dr. S. K. Verma, Dean College of Agriculture Dr. Raghav, Director Communication Dr. J.P. Jaiswal, Heads of the Department of Entomology, Horticulture and Plant Pathology, along with several dignitaries, faculty members, and students were present.

The exhibition witnessed enthusiastic participation and appreciation from visitors and successfully created awareness regarding the importance of honeybees, beekeeping and pollinator conservation. The event also served as an excellent example of student innovation and experiential learning.



G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar Distt-Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

BRAIN 3.0 Conference to be Organized at Pantnagar University to Give New Direction to Research and Innovation

Pantnagar. June 3, 2026. During a press briefing with representatives of print and electronic media the Vice-Chancellor Dr. S.K. Kashyap shared the Pantnagar University's roadmap for taking research, innovation, and industry-academia collaboration to new heights. He informed that a two-day BRAIN 3.0 (Boosting Research, Academic, Innovation and Networking) Conference will be organized at the university on June 26–27, bringing together illustrious alumni, scientists, researchers, industry representatives, and experts from various fields.

The Vice-Chancellor stated that the university is giving special priority to multidisciplinary research. Around 45 research projects have been submitted to various national and international funding agencies, and greater emphasis will be placed on outcome-oriented research in the future so that the direct benefits of research can reach farmers and society. He further said that the university is working towards becoming a leader in emerging fields such as artificial intelligence, seed production, horticulture, organic and natural farming. As part of this initiative, plans are underway to establish a Centre of Artificial Intelligence. In addition, experienced alumni, industry professionals, and experts from other institutions will be associated with the university as Visiting Adjunct Faculty and Professors of Practice to further strengthening of education, research, and innovation. Dr. Kashyap emphasized that the university will actively promote patents, research publications, collaborative research, innovation, and the commercialization of technologies. Each faculty of the University is being encouraged to develop high-quality research projects and secure resources from various funding agencies. Discussing the current challenges facing the agricultural sector, he stressed the need to promote natural farming, integrated farming systems, balanced fertilizer use, Integrated Pest Management (IPM), and Integrated Nutrient Management (INM). He noted that the effective dissemination of scientific technologies at the field level is essential for increasing farmers' incomes and making agriculture more sustainable. He stated that the university's objective is to provide a new direction to agriculture and rural development through research, innovation, and technological advancement, while bringing positive changes to the lives of farmers.

At the beginning of the press conference, Director of Communication Dr. J.P. Jaiswal welcomed representatives from the print and electronic media and briefly highlighted the objectives of the interaction. Assistant Director of Communication Dr. Arpita Sharma Kandpal was also present on the occasion.



गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में माँ सरस्वती जी की प्रतिमा की स्थापना एवं सभाकक्ष का लोकार्पण

पंतनगर। 4 जुलाई 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में माँ सरस्वती जी की प्रतिमा की स्थापना तथा नवनिर्मित श्रीमती एस. जे. शिन्दे सभाकक्ष के लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने आरती-पूजन के उपरान्त माँ सरस्वती जी की प्रतिमा का अनावरण किया तथा महाविद्यालय में नवनिर्मित श्रीमती एस.जे. शिन्दे सभाकक्ष का लोकार्पण किया। माँ सरस्वती जी की यह प्रतिमा सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग की पूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष तथा वर्तमान में सुवर्णदा फाउंडेशन की निदेशक डा. सरिता श्रीवास्तव द्वारा भेंटस्वरूप प्रदान की गई है। महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर माँ सरस्वती जी की प्रतिमा की स्थापना से विद्यार्थियों एवं कार्मिकों में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा सकारात्मक मूल्यों के प्रति प्रेरणा का संचार होगा।

इस अवसर पर कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने अधिष्ठात्री कार्यकाल की अवधि पूर्ण होने के बावजूद भी महाविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए निरन्तर कार्य किया है तथा आज का यह आयोजन उनके समर्पण और सतत प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. दीपा विनय, विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण तथा सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य एवं कार्मिक उपस्थित रहे।



पंतनगर विश्वविद्यालय बनेगा शोध उन्मुख विश्वविद्यालय : कुलपति

पंतनगर, 6 मई 2026। गोविन्द भल्लभ पन्त कृषि अवम प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कुलपति प्रोफेसर शिवेंद्र कुमार कश्यप ने विश्वविद्यालय के भावी दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय को एक शोध उन्मुख (Research-Oriented) विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में ऐसे शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा जो सीधे तौर पर किसानों और उद्योगों से जुड़े हों। इस दिशा में अपार संभावनाएं हैं और लक्ष्य यह है कि देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में पंतनगर का नाम प्रमुखता से स्थापित हो।

कुलपति ने कहा कि गोविन्द भल्लभ पन्त कृषि अवम प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, जो कि लैंड ग्रांट पैटर्न पर आधारित है, में शिक्षण, शोध एवं प्रसार (Teaching, Research & Extension) तीनों को समान रूप से सशक्त किया जाएगा। इसके लिए एक सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसमें नवाचार, प्रेरणा एवं समस्या समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की छोटी-छोटी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सप्ताह में 3 दिन वे स्वयं समस्याओं को सुनेंगे और अगले 24 घंटे में उन समस्याओं के निराकरण का प्रयास करेंगे।

कुलपति ने जोर देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। विशेष रूप से पर्वतीय कृषि एवं उद्योगों को पुनर्जीवित करने तथा प्रसार तंत्र को मजबूत करने पर बल दिया जाएगा।

मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि सूचना संप्रेषण तंत्र को सशक्त किया जाएगा। किसानों को मौसम संबंधी जानकारी प्रतिदिन उपलब्ध कराई जाएगी, तथा मीडिया के माध्यम से नियमित बुलेटिन एवं प्रगति रिपोर्ट जारी की जाएंगी।

कुलपति प्रोफेसर कश्यप ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों एवं शोध केन्द्रों में हो रहे नवीन अनुसंधान कार्यों को व्यापक रूप से प्रकाशित किया जाएगा। इन शोध कार्यों को विशेष समाचार (एक्सक्लूसिव स्टोरी) के रूप में प्रस्तुत करने पर बल दिया जाएगा ताकि प्रभावी रूप में वे समाज तक पहुंचें और उनकी उपयोगिता सिद्ध हो सके।

उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि वे विश्वविद्यालय के शोध केन्द्रों का भ्रमण करें, वैज्ञानिकों से सीधे संवाद स्थापित करें तथा उनके कार्यों पर आधारित समाचार तैयार करें। इससे शोध कार्यों की वास्तविकता और उपयोगिता जनसामान्य तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

कुलपति ने यह भी बताया कि वीडियो आधारित समाचार सामग्री तैयार करने के लिए मीडिया पेशेवरों को विश्वविद्यालय में समुचित स्थान एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

किसानों से संबंधित सभी जानकारियां सरल एवं सहज भाषा में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा ताकि वे उन्हें आसानी से समझ सकें और अपने कार्य में उपयोग कर सकें।

इसके अतिरिक्त, कृषि विज्ञान केंद्र तथा विभिन्न प्रदेश सरकार के विभिन्न लाइन डिपार्टमेंट के साथ समन्वय स्थापित कर प्रसार तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। एक समग्र कार्ययोजना के अंतर्गत इन सभी गतिविधियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जाएगा, जिससे कृषि एवं ग्रामीण विकास को नई दिशा मिल सके।

प्रेस वार्ता के प्रारम्भ में निदेशक संचार डॉ जे पी जायसवाल द्वारा कुलपति एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए मीडिया द्वारा विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को समाज तक पहुंचाने के लिए

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसर पर सहायक निदेशक संचार, डॉ अर्पिता शर्मा कांडपाल भी उपस्थित थीं



पंतनगर में **ONOS** और **INFLIBNET** सेवाओं पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

7 मई, 2026। जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में INFLIBNET केंद्र, गांधीनगर, गुजरात के सहयोग से वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) और INFLIBNET सेवाओं पर एक दिवसीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र में जिला मजिस्ट्रेट श्री नितिन सिंह भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. के. कश्यप भी उपस्थित थे। गांधीनगर, गुजरात से डॉ. कृति जे. त्रिवेदी और श्री राजा वी ने विशिष्ट वक्ताओं के रूप में संगोष्ठी में भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. एस. सी. त्रिपाठी और डॉ. के. पी. सक्सेना के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता एवं निदेशक भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि श्री नितिन सिंह भदौरिया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों, शोधकर्ताओं और शैक्षणिक संस्थानों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने बीआईटीएस, पिलानी, आईआईएम, बेंगलोर और बाद में एलबीएसएनएए, मसूरी में अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में बिताया गया समय बहुत उपयोगी होता है। डिजिटलीकरण के इस युग में असली चुनौती यह है कि पुस्तकालय का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए एआई, बिग डेटा, ब्लॉकचेन आदि जैसी नवीनतम तकनीकों का उपयोग कैसे किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि ये प्रयास भारत के माननीय प्रधानमंत्री और उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री के क्रमशः देश और राज्य में डिजिटल शिक्षा और अनुसंधान अवसंरचना को मजबूत करने के दृष्टिकोण को साकार करने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक ब्लॉक और कस्बे में सुसज्जित पुस्तकालय होना चाहिए और पंतनगर विश्वविद्यालय से प्रभावी सहयोग की उम्मीद जताई।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. के. कश्यप ने सहयोग के महत्व पर बल दिया और बताया कि डेटा व्यापक शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक मूल्यवान संसाधन है। उन्होंने कहा कि ज्ञान के ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज विस्तार के लिए डेटा का संरक्षण और उसकी सुलभता आवश्यक है और डिजिटल डेटा भंडार को शिक्षार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन बताया। उन्होंने बताया कि क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग के लिए संस्थानों से डेटा की मांग नहीं की जाती, बल्कि इसे वेबसाइट से प्राप्त किया जाता है और एनआईआरएफ रैंकिंग के मामले में भी शोध पत्रों से संबंधित जानकारी स्कोपस डेटाबेस से ली जाती है। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण के कारण रिकॉर्ड को भौतिक रूप से रखने का बोझ नहीं है और बताया कि वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) और इन्फ्लिबनेट सेवाएं बहुत उपयोगी साबित होंगी।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कृति जे. त्रिवेदी ने ओएनओएस और इन्फ्लिबनेट पहलों और उनके लाभों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और छात्रों और शिक्षकों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध विभिन्न संसाधनों जैसे शोधगंगा और शोध चक्र के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के लिए एक खुला मंच उपलब्ध कराने की दिशा में केंद्र के प्रयासों पर जोर दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि और कुलपति द्वारा ई-संसाधनों के लिए एक नए रिमोट एक्सेस प्लेटफॉर्म का भी उद्घाटन किया गया। यह कार्यक्रम डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों और अनुसंधान सहायता सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। विभिन्न संस्थानों के 180 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रारंभ में पुस्तकालय प्रभारी और संयोजक डॉ. एस. सी. त्रिपाठी ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि उद्घाटन सत्र के अंत में आयोजन सचिव डॉ. के. पी. सक्सेना ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।



गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न

पंतनगर, 7 जून 2026। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर द्वारा आयोजित स्नातक एवं एमसीए कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक किया गया।

स्नातक कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 8,737 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, जिनमें से 7,358 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इस प्रकार परीक्षा में लगभग 84.2 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। वहीं एमसीए कार्यक्रम की प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 155 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, जिनमें से 124 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए।

परीक्षा के लिए राज्य के विभिन्न जनपदों में कुल 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। अभ्यर्थियों के साथ आए अभिभावकों को गांधी हॉल में बैठने की व्यवस्था की गई, जहां उन्हें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं विभिन्न गतिविधियों पर आधारित वीडियो प्रदर्शित किए गए। साथ ही सभी अभिभावकों के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था भी की गई। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले दो दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं ताकि वे किसी प्रकार की असुविधा के बिना परीक्षा दे सकें।

परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई तथा कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि प्रवेश परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के उपरांत परिणाम निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार घोषित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय द्वारा दोनों दिवसों में आयोजित मास्टर्स एवं पीएचडी तथा यूजी एवं एमसीए प्रवेश परीक्षाओं में कुल 8785 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जबकि 1,710 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने स्नातक प्रवेश परीक्षा के सफल एवं सुचारु संचालन के लिए कुलसचिव डा. दीपा विनय, परीक्षा नियंत्रक डा. ए.के. उपाध्याय, सभी केंद्र अधीक्षकों, समन्वयकों, फ्लाइंग स्क्वाड के सदस्यों, निरीक्षकों तथा सहयोगी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया है और उनके योगदान की सराहना की है।



G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar Distt. Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

Pantnagar University resolves to celebrate Harela Festival as a 'Green Yajna'

Pantnagar, July 9, 2026: Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar has resolved to celebrate the Harela Festival as a "Green Yajna" by organizing a large-scale tree plantation drive across the university campus and its off-campus centres from July 16 to July 31, 2026. The decision was taken during a meeting chaired by Vice-Chancellor Dr. Shivendra Kumar Kashyap in the Vice-Chancellor's Conference Hall, attended by all Deans, Directors, and representatives of various organizations located within the university campus.

Addressing the meeting, Dr. Kashyap said that Harela is not merely a ceremonial festival but a celebration of humanity's responsibility towards nature and Mother Earth. He urged every member of the university community to actively participate in this "Green Yajna" at both individual and institutional levels. He emphasized that the objective is not only to plant trees but also to ensure their protection and long-term conservation for creating a greener and cleaner campus. Plantation targets and responsibilities were assigned to different departments and organizations.

Chief General Manager (Farm), Dr. Rajesh Pratap Singh, informed that large-scale plantation of forestry species would be carried out along both sides of roads in the university farm area. In addition, plantation under the agroforestry programme would be completed over nearly 100 acres by next month. He also stated that the State Bank of India, Pantnagar Branch, is providing financial assistance for the purchase of saplings and 500 tree guards.

Director, Extension Education, Dr. Jitendra Kwatra, said that all nine Krishi Vigyan Kendras (KVKs) under the university will also organize the "Green Yajna" by undertaking plantation drives in adopted villages with the participation of local representatives and farmers. Director, Research, Dr. S.K. Verma, announced that commercial tree species would be planted along the boundary walls of various research stations, including newly established research centres. Dean, Student Welfare, Dr. V.C. Dhyani, informed that plantation activities would also be undertaken in all university hostels with the active participation of students and NCC cadets.

The meeting was attended by Shri B.S. Chalal, Director, Administration & Monitoring; Mrs. Rashmi Mittal, Chief Manager, State Bank of India, Pantnagar Branch; Mr. Manoj Kumar Gupta, President, Green Earth Mission; Mr. Girija Shankar Shukla, Vice President; Mr. Tumul Srivastava, Secretary, Green Earth Mission; principals and managers of Pantnagar Inter College, Campus School and Bal Nilayam School; representatives of Punjab National Bank and UCO Bank; and Mr. Deepak Deupa, President, Pantnagar Traders' Association.

The programme was conducted by Dr. Rajesh Pratap Singh, Chief General Manager (Farm), who also proposed the vote of thanks.



G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar Distt–Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

Pantnagar scientists compete to launch new projects: 30 projects worth over 100 crore rupees submitted under the Anusandhan National Research Foundation

Pantnagar. 12 June. 2026. There is a strong enthusiasm among scientists to transform Pantnagar University into a research-focused institution of higher learning. University scientists have submitted 30 projects worth over 100 crore rupees under the Anushasan National Research Foundation (ANRF) of the Government of India. These projects include projects in agriculture, veterinary medicine, science and humanities, technology, community science, and fisheries. Most of these projects are multidisciplinary and multi-institutional, with scientists from various disciplines collaborating to work on untouched areas of science.

It is worth noting that to encourage high-level research, the Government of India has established the ANRF, chaired by the Honorable Prime Minister, under which an investment of 50,000 crore rupees is planned for high-level research in the country by 2028. Prof. Shivendra Kumar Kashyap, Vice Chancellor of Pantnagar University, stated that the submission of thirty ANRF projects, in the university's efforts to establish research excellence, exemplifies the scientific acumen and drive of Pantnagar scientists. He stated that our direct goal is to ensure that our research aligns with the needs of farmers and industries, and that each scientist receives two to three research projects. Referring to the university's efforts, he said that a planning team has been formed to identify potential projects for scientists across the university and to explore new possibilities by contacting funding agencies and industries. He added that in this direction, the Department of Science and Technology, Government of India, has also secured a Technology Enabling Center Scheme (DST-TEC), which will work towards the commercialization of technology. He described this project as a major opportunity for the university.



Unique Blend of Creativity and Media Skills Showcased at College of Community Science 'Vivridhhi 2026' Exhibition Highlights Innovation and Communication Excellence of Students

Pantnagar, May 14, 2026: Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology witnessed a vibrant display of creativity and media excellence as the Department of Extension Education and Communication Management, College of Community Science, inaugurated its two-day exhibition 'Vivridhhi 2026' on Thursday.

The exhibition was inaugurated by the Vice-Chancellor and Chief Guest Dr. Shivendra Kumar Kashyap through the ceremonial lighting of the lamp. The event was attended by Dean of College of Community Science Dr. Alka Goyal, Director Communication Dr. J.P. Jaiswal, Director Extension Education Dr. Jitendra Kwatra, Dean Student Welfare Dr. Vipin Chandra Dhyani, Dean of Veterinary and Animal Sciences Dr. D. Kumar, Dean Fisheries Dr. Avadhesh Kumar, along with faculty members, students and visitors.

Addressing the gathering, Dr. Shivendra Kumar Kashyap appreciated the efforts of the students and stated that such exhibitions play a significant role in enhancing students' technical knowledge, creativity, communication abilities and professional skills. He remarked that extension education can never be termed monotonous, as the students had added vibrant dimensions to it through their innovative creations and media presentations.

The exhibition was organized under the Student READY programme by course coordinators Dr. Anupama Pandey and Dr. Pooja Tamta as part of the course "Hands-on Training on Print and Electronic Media Production." Students utilized modern graphic designing software such as Canva, Adobe Photoshop and Adobe Illustrator to create a variety of print and electronic media products.

The theme of this year's exhibition was "Sankalp Se Siddhi: Viksit Bharat 2047." Students creatively showcased issues and solutions related to the four major pillars of a developed India through posters, charts, booklets, flyers, brochures, leaflets, flash cards and other publicity materials. Attractive media products including coffee table books, wall newspapers, product catalogues and alumni directories were also displayed.

The exhibition was divided into six sections highlighting diverse forms of creativity and media skills. In the electronic media section, students presented short videos and dramatized performances on themes such as "Overconsumption," "Socho Aur Share Karo," and "Ek Mazak, Kai Ghaav," which emerged as major attractions. Four radio programmes focusing on women's health awareness were also showcased.

The photography section displayed creative photographs based on themes like peace, nature and love, while the advertisement section featured innovative designs on social and commercial themes. The writing section exhibited articles written by students for magazines and newspapers.

The sales product section became the highlight of the exhibition, featuring digital media products such as car charms, digital frame art, photo magazines and other customized creative items prepared by students. These products effectively reflected the students' creativity, technical expertise and entrepreneurial skills.



G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar

Distt-Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

Pantnagar University Launches 15-Day 'Green Yajna' Campaign on Harela, Pledges 50,000 Saplings

Pantnagar, July 16, 2026. Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, celebrated the traditional festival of Harela with the launch of a 15-day "Green Yajna" campaign, reaffirming its commitment to environmental conservation by pledging to plant and nurture 50,000 saplings across the university campus, research stations, Krishi Vigyan Kendras (KVKs), and adopted villages. The campaign was inaugurated by Lt. Gen. Gurmit Singh, Hon'ble Governor of Uttarakhand and Chancellor of the Pantnagar Agriculture University in the presence of Dr. Shailendra, Prant Pracharak, Rashtriya Swayamsevak Sangh, Uttarakhand and Dr. Shivendra Kumar Kashyap, Vice-Chancellor of GBPUAT. Before the inauguration, the Hon'ble Governor planted a Rudraksha sapling in the Tarai Bhawan premises and visited an exhibition of mango varieties organized at Gandhi Hall.

Addressing the gathering, the Hon'ble Governor said that Harela is not merely a festival but a celebration of humanity's bond with nature, farmers, and the motherland. He called upon Pantnagar University to lead 'Green Revolution 2.0' by integrating Artificial Intelligence, data science, water conservation, carbon management, and advanced agricultural technologies into modern farming. He emphasized that the future of agriculture must be climate-resilient, technology-driven, and farmer-centric. Urging scientists to ensure that their research reaches farmers, he said that meaningful innovation should directly improve farmers' livelihoods.

The Governor appreciated the University's resolve to plant 50,000 saplings and stressed that the protection and survival of planted trees are as important as plantation itself. Referring to Uttarakhand's rich forest cover and the historic contribution of women to environmental conservation, he highlighted the importance of collective responsibility towards protecting nature. Speaking on the occasion, Dr. Shailendra described Harela as a living symbol of India's cultural heritage and environmental consciousness. Recalling the contributions of Gaura Devi, Amrita Devi Bishnoi, and the Chipko Movement, he appealed to every citizen to plant and nurture at least three trees as a commitment to preserving natural resources.

In his welcome address, Dr. Shivendra Kumar Kashyap, Vice-Chancellor said that Pantnagar University, the birthplace of India's Green Revolution, continues to lead the nation in agricultural research, innovation, and farmer-oriented technologies. He highlighted that the recently organized BRain 3.0 conference strengthened alumni engagement and paved the way for several new research and innovation initiatives. He added that the University's Harela campaign aims to evolve into a people's movement for environmental conservation through active public participation. On the occasion, the University honoured five distinguished alumni for their outstanding contributions and announced plans to collaborate with them through Memoranda of Understanding (MoUs) on projects related to compressed biogas and bio-refinery facilities, automation in fertigation systems, carbon mapping and carbon credit consultancy, advanced research on ready-to-eat functional food products, and the establishment of an Innovation and Agri-Entrepreneurship Centre. The Governor also felicitated Mr. Anoop Maurya with a Certificate of Appreciation and a cash award of ₹1.25 lakh for his exemplary contribution to dragon fruit cultivation.

Delivering the vote of thanks, Dr. Amit Bhatnagar, General Manager (Operation Farm), informed that the State Bank of India, Pantnagar Branch, had extended financial assistance of ₹3 lakh for the procurement of saplings and had provided 500 tree guards to ensure their protection.

The programme was attended by the University's Registrar, Comptroller, Deans, Directors, officers, faculty members, staff, students, farmers, alumni, and representatives of various social organizations.



Hon'ble Governor of Uttarakhand and Chancellor of the University, Lt. Gen. Gurmit Singh, addressing the gathering during the Harela celebrations at Gandhi Hall.



Hon'ble Governor Lt. Gen. Gurmit Singh visiting the mango exhibition organized at Gandhi Hall.



Hon'ble Governor of Uttarakhand and Chancellor of the University, Lt. Gen. Gurmit Singh, planting a Rudraksha sapling in the Tarai Bhawan premises.

Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology Pantnagar, Distt. Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

Vice-Chancellor of Pantnagar University Reaches Out to Farmers, Urges Adoption of Scientific Livestock Farming

Pantnagar, July 17, 2026. Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, organized a farmers' training programme in TSP Village Pairpura, Sitarganj, with the objective of disseminating modern livestock farming technologies among farmers. The programme was conducted under the All India Coordinated Research Project–Frieswal, funded by the ICAR–Central Institute for Research on Cattle, Meerut.

The programme was inaugurated by Dr. D. Kumar, Dean, College of Veterinary and Animal Sciences. He provided valuable information to livestock farmers on the scientific care of cows and calves, housing management, and improved animal husbandry practices. Dr. Sanjay Kumar Verma, Director of Research, encouraged farmers to adopt modern technologies to make livestock farming more profitable.

During the programme, the Vice-Chancellor of the University, Dr. Shivendra Kumar Kashyap, interacted with livestock farmers and emphasized the importance of adopting scientific methods in animal husbandry.

The farmers' training programme was coordinated by Project Officer Dr. Brijesh Singh. Co-Project Officer Dr. B. N. Shahi explained the objectives of the project and the benefits available to livestock farmers. Dr. A. K. Ghosh, Professor, Department of Animal Reproduction, delivered a detailed lecture on pre- and post-calving care of pregnant heifers. Emeritus Professor Dr. Shiv Prasad guided participants on identifying signs of estrus in cows, the appropriate timing for artificial insemination, and the major reproductive disorders along with their prevention. Dr. Ripusudan Kumar, Associate Professor, Department of Animal Nutrition, shared information on preparing balanced and nutritious animal feed and the scientific management of newborn calves.

Following the training programme, the Vice-Chancellor distributed mineral mixture, calcium supplements, liver tonic, feeding bowls, and internal and external deworming medicines to the participating livestock farmers. He also visited the livestock units of two progressive farmers in the village and appreciated their efforts.

Around 50 livestock farmers participated enthusiastically in the programme. Registration was managed by Ms. Aradhana Phular and Mr. Sunil, while the distribution of materials was coordinated by Mr. Shivanshu Tiwari.



गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय पन्तनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

हरित यज्ञ अभियान के सातवें दिन छात्रावास परिसरों में किया गया वृक्षारोपण

पंतनगर। 22 जुलाई, 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप के नेतृत्व में संचालित 15-दिवसीय 'हरित यज्ञ' अभियान के सातवें दिन विश्वविद्यालय के गंगोत्री भवन, कस्तूरबा भवन एवं स्वर्ण जयन्ती भवन छात्रावासों के प्रांगण में कुलपति, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 'हरित यज्ञ' अभियान का उद्देश्य परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाना तथा विद्यार्थियों और समाज में प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है और सभी को इस दिशा में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान अमरुद, आम, करौंदा, कटहल, नींबू आदि फलदार पौधों का रोपण कर हरित परिसर के निर्माण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. विपिन ध्यानी; सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल, पशु चिकित्सा एवं पशु पालन विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. देवेन्द्र कुमार, विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता डा. एस.बी. सिंह, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल, गंगोत्री भवन की वार्डन डा. अनिता, कस्तूरबा भवन की वार्डन डा. श्वेता राय, स्वर्ण जयन्ती भवन की वार्डन डा. रश्मि तिवारी; सह निदेशक, शारीरिक शिक्षा, डा. भाष्कर तिवारी तथा प्रत्येक छात्रावास के विद्यार्थियों ने भी वृक्षारोपण किया।



गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला— ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में दो-दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला का शुभारम्भ

माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री ने डिजिटल कृषि एवं एआई आधारित अनुसंधान को बताया भविष्य की दिशा

पंतनगर। 26 जून, 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में 'शिक्षण, शोध, नवाचार एवं नेटवर्किंग को बढ़ावा देने पर तीसरी राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला (ब्रेन 3.0)' का भव्य शुभारम्भ भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य अतिथि में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड के माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी, माननीय सांसद श्री अजय भट्ट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डा. एम.एल. जाट, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप सहित देश-विदेश से आए पूर्व छात्र, वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ एवं गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

कार्यशाला का मुख्य विषय 'ब्रूस्टिंग रिसर्च, एकेडमिक, इन्नोवेशन एंड नेटवर्किंग (ब्रेन 3.0)' है, जिसका उद्देश्य कृषि अनुसंधान, शिक्षा, नवाचार, उद्योग-शिक्षा सहयोग तथा पूर्व छात्रों की विशेषज्ञता को एक मंच पर लाकर भविष्य की कृषि के लिए साझा रणनीति तैयार करना है।

इस अवसर पर माननीय केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि भारत की हरित क्रांति की जन्मस्थली और कृषि आत्मनिर्भरता की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि अब समय डिजिटल कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, प्रिंसीपल फार्मिंग तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से कृषि की नई क्रांति का है, जिसमें पंतनगर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ब्रेन 3.0 केवल पूर्व छात्रों का सम्मेलन नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुभव, नवाचार और भविष्य की संभावनाओं को जोड़ने वाला एक सशक्त राष्ट्रीय मंच है। उन्होंने पूर्व छात्रों से विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि कृषि, जैविक खेती, स्टार्टअप, ड्रोन तकनीक और डिजिटल कृषि के क्षेत्र में उत्तराखण्ड के पास अपार संभावनाएं हैं। उत्तराखण्ड के कृषि मंत्री श्री गणेश जोशी ने कहा कि हरित क्रांति की जन्मस्थली पंतनगर विश्वविद्यालय देश का गौरव है। उन्होंने विश्वविद्यालय को हेरिटेज विश्वविद्यालय घोषित करने तथा इसकी ऐतिहासिक आधारभूत संरचनाओं के संरक्षण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि ब्रेन 3.0 पंतनगर विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, जहां देश-विदेश से आए पूर्व छात्र अपने अनुभव, विशेषज्ञता और संसाधनों के माध्यम से विश्वविद्यालय तथा भारतीय कृषि के भविष्य को नई दिशा देने के लिए एकत्र हुए हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर का डेटा सेंटर तथा एआई इन एग्रीकल्चर सेंटर स्थापित करने की परिकल्पना की जानकारी देते हुए कहा कि यह पहल देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के लिए महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध होगी।

इस अवसर पर कुलपति डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप द्वारा भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तराखण्ड सरकार के माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी एवं माननीय सांसद श्री अजय भट्ट को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके उपरान्त मुख्य अतिथि श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा डा. ए.एन. मुखोपाध्याय, पूर्व अधिष्ठाता (कृषि), गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर तथा पूर्व कुलपति, असम कृषि विश्वविद्यालय को कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन के प्रारम्भ में तराई भवन परिसर में माननीय केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इसके पश्चात् भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तराखण्ड सरकार के माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी, माननीय सांसद श्री अजय भट्ट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. एम.एल. जाट तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने पं. गोविन्द बल्लभ पंत जी की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। तदोपरान्त कुलपति प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने सभी अतिथियों को यूनिवर्सिटी सेंटर में विश्वविद्यालय संग्रहालय एवं प्रदर्शनी का अवलोकन कराया। इसके पश्चात् सभी गणमान्य अतिथियों ने व्यावहारिक फसल उत्पादन प्रक्षेत्र का भ्रमण कर विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उनके अनुभवों एवं नवाचारों की जानकारी प्राप्त की तथा गांधी हाल में लगी आम की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

कार्यशाला के दौरान कृषि अनुसंधान, शिक्षा, नवाचार, उद्योग-शिक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल कृषि, जलवायु परिवर्तन, कृषि स्टार्टअप, डेटा विज्ञान तथा कृषि में उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा। दो-दिवसीय इस राष्ट्रीय कार्यशाला में देश-विदेश से आए पूर्व छात्र, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, उद्योग विशेषज्ञ तथा नीति-निर्माता भाग लेकर विकसित कृषि और विकसित भारत के निर्माण हेतु अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे। इस कार्यशाला ब्रेन 3.0 में प्रतिभाग करने हेतु देश-विदेश से आए विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।



व्यावहारिक फसल उत्पादन प्रक्षेत्र का भ्रमण, विद्यार्थियों के साथ की धान की रोपाई

पंतनगर। 26 जून, 2026। कार्यशाला के उद्घाटन के प्रारम्भ में भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास श्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखण्ड के माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी, माननीय सांसद श्री अजय भट्ट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डा. एम.एल. जाट, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने आज गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के व्यावहारिक फसल उत्पादन (पीसीपी) प्रक्षेत्र का भ्रमण किया।

इस दौरान भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रक्षेत्र में प्रशिक्षण एवं शोध कार्य कर रहे छात्र-छात्राओं के साथ खेत में उतरकर धान की रोपाई की तथा विद्यार्थियों से व्यावहारिक फसल उत्पादन कार्यक्रम की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रक्षेत्र की उत्पादन प्रणाली, फसल प्रबंधन तथा इससे होने वाली आय के संबंध में चर्चा करते हुए उन्हें उत्पादन एवं आय बढ़ाने के लिए नवाचार अपनाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा का उद्देश्य केवल तकनीकी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक, आत्मनिर्भर एवं उद्यमी किसान बनाना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को 'खेती बचाओ अभियान' की जानकारी देते हुए कृषि में मिट्टी के स्वास्थ्य एवं कार्बन संवर्धन के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि व्यावहारिक फसल उत्पादन पाठ्यक्रम में जैविक (ऑर्गेनिक) एवं प्राकृतिक खेती को भी प्रभावी रूप से शामिल किया जाए, ताकि भविष्य के कृषि वैज्ञानिक टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल खेती को बढ़ावा दे सकें। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने विद्यार्थियों के साथ उत्साहपूर्वक 'खेती बचाएंगे, मिट्टी में कार्बन बढ़ाएंगे', 'जय जवान, जय किसान' तथा 'भारत माता की जय' के उद्घोष भी लगाए। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ इन नारों को दोहराते हुए सतत कृषि एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने केंद्रीय कृषि मंत्री से सीधे संवाद का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा उनके मार्गदर्शन और 'खेती बचाओ, मिट्टी में कार्बन बढ़ाओ' अभियान से प्रेरित होकर सतत कृषि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भ्रमण के दौरान व्यावहारिक फसल उत्पादन प्रक्षेत्र के प्रभारी डा. दिनेश कुमार सिंह सहित डा. अमित भटनागर, डा. अजय प्रभाकर, डा. क्रांति कुमार एवं डा. विनीता राठौर उपस्थित रहे।



विश्वविद्यालय संग्रहालय एवं प्रदर्शनी का अवलोकन

पंतनगर। 26 जून, 2026। कार्यशाला के उद्घाटन के प्रारम्भ में भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास श्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखण्ड के माननीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी, माननीय सांसद श्री अजय भट्ट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डा. एम.एल. जाट एवं अन्य गणमान्य अतिथियों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप विश्वविद्यालय सेंटर स्थित संग्रहालय एवं प्रदर्शनी का अवलोकन कराया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक उपलब्धियों, अनुसंधान कार्यों, नवीन कृषि तकनीकों तथा विभिन्न विभागों द्वारा विकसित नवाचारों की जानकारी प्राप्त की और उनके प्रति सराहना व्यक्त की।



G.B. Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar Distt. Udham Singh Nagar (Uttarakhand)

Pantnagar University Vice Chancellor Prof. Shivendra Kumar Kashyap Given Additional Charge as Vice Chancellor of Bharsar University

Pantnagar, June 16, 2026. According to an order issued by Lieutenant General Gurmit Singh, Governor of Uttarakhand and Chancellor of the University, Prof. Shivendra Kumar Kashyap, Vice-Chancellor of Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar has been given the additional charge of Vice-Chancellor of Veer Chandra Singh Garhwal Uttarakhand Horticulture and Forestry University, Bharsar, Pauri Garhwal.

The order issued from Lok Bhawan states that the extended term of the current Vice-Chancellor of Bharsar University, Dr. Parvinder Kaushal, has ended on June 15, 2026. Additionally, Dr. Bhagwati Prasad Bhatt, currently serving as Officer on Special Duty at the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi, has been appointed as Vice Chancellor. Until he assumes office, Prof. Shivendra Kumar Kashyap has been given this additional responsibility to ensure the smooth functioning of the university's administrative and academic functions.

Prof. Shivendra Kumar Kashyap is currently serving as the Vice-Chancellor of Pantnagar Agriculture University. He will now play a key role in coordinating the academic, research, and administrative work of both universities. The Pantnagar University family is pleased to have Prof. Shivendra Kumar Kashyap entrusted with this important responsibility and is confident that under his leadership, both universities will achieve new milestones in the fields of education, research, innovation, and agricultural and horticultural development.



Paddy Transplanting Programme Formally Commences at University Beni Farm

Pantnagar. June 17, 2026. The new crop season at Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, commenced with a paddy transplanting programme organized at the N Block of the University Farm's Beni Sector. The Vice-Chancellor of the University, Dr. Shivendra Kumar Kashyap, graced the occasion as the Chief Guest. The Kharif crop season was formally inaugurated with traditional rituals performed by women agricultural workers Mrs. Neelam Devi and Mrs. Manju Devi. The Vice-Chancellor also participated in paddy transplantation along with university officers and employees.

Chief General Manager of the University Farm, Dr. Rajesh Pratap Singh informed that paddy seed production is being undertaken on approximately 210 hectares of land this year. He further stated that, under the guidance of the Vice-Chancellor, special emphasis is also being given to seed production of pulse and oilseed crops. He added that seed production programmes for varieties recommended for hilly regions have also been initiated. To promote organic farming, 25 acres in the T Block of the Beni Sector have been earmarked for organic seed production, where dhaincha seed production will be carried out.

On the occasion, Vice-Chancellor Dr. Shivendra Kumar Kashyap extended his best wishes for the new crop season and expressed hope for a productive harvest. He stated that the University is implementing various research and seed production programmes keeping in view the agricultural needs and priorities of the state. He expressed confidence that Pantnagar University would continue to play a significant role in meeting Uttarakhand's requirement for quality seeds. The Vice-Chancellor also interacted with agricultural workers, especially women workers, listened to their concerns, and assured them of prompt resolution of their problems.

Among those present on the occasion were Registrar Dr. Deepa Vinay; DSW, Dr. Vipin Chandra Dhyani; Deans of different colleges Dr. A.K. Shukla, Dr. D. Kumar, Dr. S.S. Gupta, Dr. R.C. Srivastava, Dr. V.P. Varshney, Dr. R.S. Jadon, Dr. Avdhesh Kumar; Director Research Dr. S.K. Verma; Director Communication Dr. J.P. Jaiswal; along with officers and staff of the University Farm. The programme concluded with a vote of thanks delivered by Dr. Amit Bhatnagar, General Manager (Operations).



Vice-Chancellor Dr. Shivendra Kumar Kashyap and other officials transplanting paddy.



Vice-Chancellor Dr. Shivendra Kumar Kashyap interacting with female farm workers at the university farm.



रुद्राक्ष
श्री शिवराज सिंह चौहान जी
मा. केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास
द्वारा
दिनांक 26.06.2026 को रोपित